



सत्यमेव जयते

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 596।

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 12, 2008/कार्तिक 21, 1930

No. 596।

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 12, 2008/KARTIKA 21, 1930

वित्त वंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 2008

सं. 118/2008-सीमा शुल्क (रै.ट्र.)

सांकेति. 786(आ)।—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 137 की धारा उप-धारा (3) के साथ परिवर्तित धारा 156 की उप-धारा (2) के उपचाक्य (ज) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा सीमा शुल्क (अपराधों का शमन) नियमावली, 2005 के निम्नलिखित नियमों में संशोधन करती है यथा :—

1. (1) इन नियमों को सीमा शुल्क (अपराधों का शमन) संशोधन नियमावली, 2008 कहा जायेगा।  
(2) वे सरकारी राजपत्र में अपने प्रकाशन की तिथि से प्रवर्तित होंगे।
2. सीमा शुल्क (अपराधों का शमन) नियमावली, 2005 (एतश्मिन् जिसे उक्त नियमावली कहा गया है), में—  
(क) नियम 4 में, उप-नियम (3) विधि, परन्तुके पश्चात् निम्नलिखित को वित्तस्थापित किया जायेगा यथा :—  
“बश्न्नैं और भी कि आवेदन को तब तक स्वीकार नहीं किया जायेगा जब तक कि उस मामले के लिए जिसके लिए आवेदन किया गया है मुगालान योग्य शुल्क, इण्ड और ब्याज का मुगालान नहीं कर दिया जाता है”  
(ख) नियम 5 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम को प्रतिस्थापित किया जायेगा, यथा :—  
“5. शमन राशि का निर्धारण।—इस अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत अपराधों के शमन के लिये, शमन राशि वही होगी जैसा कि निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया होगा :  
बश्न्नें कि, यदि कोई व्यक्ति, एक ही माल से संबंधित, अपराध करता है जो कि निम्नलिखित सारणी में उल्लिखित एक से अधिक बारों में आते हैं, और जहां शुल्क अपवर्तन की राशि, वा द्वा बैक की राशि या शुल्क से दूट, जो कि इस अधिनियम में नियमत माल के संबंध में उल्लिखित है, या ऐसे माल के बाजार मूल्य की राशि ऐसे सभी अपराधों के लिए भी वही है तो ऐसे मालों में शमन की राशि भी वही होगी जो कि उस अपराध के लिये निर्धारित की गई होगी, जिसके लिए उच्च शमन राशि विनिर्दिष्ट की गई है।

## सारणी

क्र. सं.	अपराध	राशि
(1)	(2)	(3)
1.	इस अधिनियम की धारा 132 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	पहली बार के अपराध के लिए पचास हजार रुपये और इसके पश्चात् ऐसे ही हर अगले अपराध के लिए इस राशि में शत प्रतिशत की बढ़ोतरी होती जायेगी।
2.	इस अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	पहली बार के अपराध के लिए पचास हजार रुपये और इसके पश्चात् ऐसे ही हर अगले अपराध के लिए इस राशि में शत प्रतिशत की बढ़ोतरी होती जायेगी।
3.	इस अधिनियम की धारा 134 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	पहली बार के अपराध के लिए पचास हजार रुपये और इसके पश्चात् ऐसे ही हर अगले अपराध के लिए इस राशि में शत प्रतिशत की बढ़ोतरी होती जायेगी।
4.	इस अधिनियम की धारा 135(1)(क) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	माल के बाजार मूल्य के 10 प्रतिशत तक की राशि तक या एक लाख रुपये, दोनों में से जो भी अधिक हो।
5.	इस अधिनियम की धारा 135(1)(ख) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	माल के बाजार मूल्य के 5 प्रतिशत तक की राशि तक या एक लाख रुपये, दोनों में से जो भी अधिक हो।
6.	इस अधिनियम की धारा 135(1)(ग) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	माल के बाजार मूल्य के 10 प्रतिशत तक की राशि तक या एक लाख रुपये, दोनों में से जो भी अधिक हो।
7.	इस अधिनियम की धारा 135(1)(घ) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	माल के बाजार मूल्य के 10 प्रतिशत तक की राशि तक या एक लाख रुपये, दोनों में से जो भी अधिक हो।
8.	इस अधिनियम की धारा 135(क) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट अपराध	माल के बाजार मूल्य के 5 प्रतिशत तक की राशि तक या एक लाख रुपये, दोनों में से जो भी अधिक हो।

(ग) उक्त नियमावली में सत्तम फार्म में, ऋण संख्या 12 के पश्चात् निम्नलिखित को अंतःशापति किया जायेगा, यथा :—

“12क. क्या शुल्क, दण्ड और ब्याज की राशि का भुगतान कर दिया गया है यहि हौं तो उसका व्यौग क्या है”

[फा. सं. 450/67/2003-सीमा शुल्क-IV (पार्ट)]

असोम कुमार, अमर सचिव

**पाद टिप्पणी :**—प्रधान अधिसूचना सं. 114/2005-सीमा शुल्क (गैटे) दिनांक 30 दिसम्बर, 2005 को सा.का.नि. 755(अ), दिनांक 30 दिसम्बर, 2005 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया है।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th November, 2008

No. 118/2008-Customs (N.T.)

**G.S.R. 786(E).—In exercise of the powers conferred by clause (h) of sub-section (2) of Section 156 read with sub-section (3) of Section 137, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules to amend Customs (Compounding of Offences) Rules, 2005, namely :—**

1. (1) These rules may be called the Customs (Compounding of Offences) Amendment Rules, 2008.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Customs (Compounding of Offences) Rules, 2005 (hereinafter referred to as the said rules),—

(a) in rule 4, in sub-rule (3), after the proviso, the following shall be inserted, namely :—

“Provided further that application shall not be allowed unless the duty, penalty and interest liable to be paid have been paid for the case for which application has been made.”;

(b) for rule 5, the following rule shall be substituted, namely :—

“5. Fixation of the compounding amount.—For the purpose of compounding of offences under the various provisions of the Act, the compounding amount shall be as provided in the following Table :

Provided that if a person has, in respect of same goods, committed offences falling under more than one category specified above and where amount of duty evasion, or, amount of drawback or exemption from duty, provided under the Act in connection with export goods; or amount of market value of the goods is same for all such offences, the compounding amount, in such cases, shall be the amount determined for the offence for which a higher compounding amount has been prescribed.

TABLE

Sl. No.	Offence	Compounding amount
(1)	(2)	(3)
1.	Offence specified under Section 132 of the Act	Fifty thousand rupees for the first offence and to be increased by hundred per cent of this amount for each subsequent offence.
2.	Offence specified under Section 133 of the Act	Fifty thousand rupees for the first offence and to be increased by hundred per cent of this amount for each subsequent offence.
3.	Offence specified under Section 134 of the Act	Fifty thousand rupees for the first offence and to be increased by hundred per cent of this amount for each subsequent offence.
4.	Offence specified under Section 135(1)(a) of the Act	Upto ten per cent of the amount of market value of the goods or one lakh rupees, whichever is higher.
5.	Offence specified under Section 135(1)(b) of the Act	Upto five per cent of the amount of market value of the goods or one lakh rupees, whichever is higher.
6.	Offence specified under Section 135(1)(c) of the Act	Upto ten per cent of the amount of market value of the goods or one lakh rupees, whichever is higher.
7.	Offence specified under Section 135(1)(d) of the Act	Upto ten per cent of the amount of market value of the goods or one lakh rupees, whichever is higher.
8.	Offence specified under Section 135A of the Act	Upto five per cent of the amount of market value of the goods or one lakh rupees, whichever is higher.

(c) in the Form appended to the said rules, after serial number 12, the following shall be inserted, namely :—

“12A. Whether the amount of duty, penalty and interest have been paid and if yes, the details thereof.”

[F.No. 450/67/2003-Cus. IV (Pt)]

ASEEM KUMAR, Under Secy.

Note :—The principal notification No. 114/2005-Customs (N.T.), dated the 30th December, 2005, was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), v/d/e number G.S.R. 755(E), dated the 30th December, 2005.